

10.1.22

पञ्जाबली चे ३१ डई) वकील वादी
अनुपालित है। वकील वादी की कई
बार आवाजें लगावानी गयी। परन्तु
वकील वादी अनुपालित है। इसलिए
वादी का वाउ अदम हाजरी अदम
फैरनी में खारिज किया जागा
पञ्जाबली फैसल शुमार होकर दायिल
दफतर ही। दर्ज रजिस्टर से कम ही
आदेश शुले - मामालय में सुनाया
गया 

